

उत्तराखण्ड शासन
विन अनुभाग 8
सं० /2016/ 19(120) /XXVII(8)/2012
दिनांक: देहरादून, 27 फरवरी 2016

अधिसूचना

चूंकि राज्य सरकार का समाधान हो गया है कि लोक विन में एकात्मिक व्यवस्थापन अर्थात् अ.व. राज्यपाल, उत्तराखण्ड मूल्य वर्धित कर अधिनियम 2005 (अधिनियम सं. 27, वर्ष, 2005) की धारा 23 की उपधारा (1) तथा धारा 35, संपटित उत्तर प्रदेश राजस्व अधिनियम 1904 (अधिनियम सं० 1, वर्ष 1904) (उत्तराखण्ड राज्य में बंधा प्रवृत्त) की धारा 21 के द्वारा प्रदेश गणराज्य का प्रचलन करने संबंध में यह है कि उत्तराखण्ड अधिनियम 2005 के नियम 11 में किसी बात के होते हुए, कर के लिए व्योम अथवा छोट पर कर कटौती करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति द्वारा कारनिर्धारण वर्ष 2015-16 से संबंधित 31 दिसम्बर को समाप्त होने वाले वृत्तीय वैनस की सावधिक दिवसणी, 31 मार्च, 2016 तक अपना विलम्ब शुल्क के दाखिल की जा सकती है, किन्तु कर/समाधान राशि अथवा टीडीएस का भुगतान नियम 11 में विनिर्दिष्ट समय के अन्दर ही किया जायेगा।

(अमित सिंह नेगी)
राचिव

सं० 112- /2016/ 19(120) /XXVII(8)/2012 तदुदिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- प्रायुक्त, कर, उत्तराखण्ड, देहरादून को इस आशय से कि वे अपने स्तर से सम्बन्धित अधिकारियों, कर अधिकारियों व करदाताओं को अवगत करा दें।
- 2- निदेशक, मुद्रण एवं लेखन सामग्री उत्तराखण्ड, रुडकी जिला हरिद्वार को अधिसूचना की हिन्दी/अंग्रेजी प्रतियाँ इस आशय से प्रेषित कि इसे असाधारण गजट में प्रकाशित करते हुए 100-100 प्रतियाँ विन अनुभाग-8 में अविलम्ब उपलब्ध करा दें।
- 3- माया अनुभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 4- सलाहकार, कर, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- एन०आई०सी०
- 6- गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,

(हीरा सिंह बरोड़ा)
अनुसचिव

In pursuance of the provisions of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of the Notification No. 112 /2016 / 19(120)/XXVII(8)/2012 dated 23 February, 2016 for general information.

Government of Uttarakhand
VITTA ANUBHAG-8
NO. 112 /2016 / 19(120)/ XXVII(8)/ 2012
Dehradun :: Dated::23 February, 2016

Notification

Where as the State Government is satisfied that it is expedient so to do in public interest;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 23 and section 35 of the Uttarakhand Value Added Tax Act, 2005 (Act No. 27 of 2005), read with section 21, of the Uttar Pradesh General Clauses Act. 1904 (U.P. Act No. 1 of 1904) (as applicable to the State of Uttarakhand), notwithstanding anything contained in rule 11 of the Uttarakhand VAT Rule, 2005, the Governor is pleased to declare that the third periodical return for the quarter ending December, 31 related to the assessment year 2015-16 may be filed by a dealer liable to tax or a person responsible for deduction tax at source upto 31st March, 2016 without any late fee, provided that the payment of tax/ composition money or TDS shall be made within the time as prescribed in rule 11.


(Amit Singh Negi)
Secretary